उत्तराखण्ड–संस्कृत–विश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्

सर्वदर्शन–प्रथमवर्ष

प्रथम सेमेस्टर

प्रथमपत्रम् – तत्त्वार्थ सूत्रम–(1–5 अध्यायाः)
(आचार्य उमास्वातिविरचितम्) – **80+20 अंकाः**

द्वितीयपत्रम् – प्रमाणवार्तिकम्–(प्रमाणपरिच्छेदमात्रम्)
(मनोरथनन्दिवृत्ति सहितम्) – **80+20 अंकाः**

तृतीयपत्रम् – तर्कभाषा–(आचार्य केशव मिश्र विरचिता)
(आचार्य विश्वेश्वर कृत भाष्यसहितम्) – **80+20 अंकाः**

चतुर्थपत्रम्– वैशेषिक सूत्रम्–(पांकज उत्पत्तिपर्यन्तम्)
(प्रशस्तपादभाष्यसहितम्) – **80+20 अंकाः**

पंचमपत्रम्– **(क)** योग सूत्रम्–(व्यासभाष्य सहित समाधिपादः) – **40 अंकाः**
(ख)सांख्य कारिका (1–25 कारिकापर्यन्तम्) **+20**
(कौमुदीव्याख्या सहिता) **–40 अंकाः**

नोट : प्रत्येक प्रश्न पत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

अंक विभाजन :– प्रश्नपत्र में तीन खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड में चार में से दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। द्वितीय खण्ड में भी चार में से दो प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। तृतीय खण्ड में सभी पांच प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का होगा।

द्वितीय सेमेस्टर

प्रथमपत्रम्– प्रवचनसारः (1–52 गाथाः)
(आचार्य कुन्द कुन्दः) **– 80+20 अंकाः**

द्वितीयपत्रम् – मूलमाध्यमिककारिकां **– 80+20 अंकाः**
(प्रत्यय–अग्नि–धन–बन्धमोक्ष–आत्म, तथागत, आर्यसत्य–निर्वाणपरीक्षाः)

तृतीयपत्रम्– न्याय सूत्रम् (प्रथमाध्यायस्य प्रथमाह्निकम्) **– 80+20 अंकाः**

चतुर्थपत्रम्– वेदान्तपरिभाषा – प्रमाणपर्यन्ता **– 80+20 अंकाः**

पंचमपत्रम् –(क) योगसूत्रम्–साधनपादः **– 40 अंकाः+20**
(ख) सांख्यतत्वकौमुदी (26–70 कारिकापर्यन्ता) **– 40 अंकाः**

नोट : प्रत्येक प्रश्न पत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

अंक विभाजन :– प्रश्नपत्र में तीन खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड में चार में से दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। द्वितीय खण्ड में भी चार में से दो प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। तृतीय खण्ड में सभी पांच प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का होगा।

सर्वदर्शन
आचार्य–द्वितीय वर्ष
तृतीय सेमेस्टर

प्रथमपत्रम् – पातञ्जलयोग सूत्रम् (व्यासभाष्य सहितम्)
(3–4 पादात्मकम्) – **80+20 अंकाः**

द्वितीयपत्रम् – सांख्यसूत्रम् (अग्निरूद्धवृत्ति सहितम्)
(1–2 अध्यायात्मकम्) – **80+20 अंकाः**

तृतीयपत्रम् – ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्यम् (महर्षि वेदव्यासप्रणीतम्)
(चतुः सूत्री) – **80+20 अंकाः**

चतुर्थपत्रम् – न्यायसिद्धान्त मुक्तावली (आचार्य विश्वनाथ कला)
(प्रथमपरिच्छेदः मुक्ता वलीमयूरव) – **80+20 अंकाः**

पंचमपत्रम् – जैमिनीन्यायमाला
(प्रथमाध्यायस्य प्रथमद्वितीयपादौ) – **80+20 अंकाः**

अथवा

स्वशास्त्रीय लघुशोधः (50 पृष्ठात्मकः)

नोट : प्रत्येक प्रश्न पत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

अंक विभाजन :– प्रश्नपत्र में तीन खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड में चार में से दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। द्वितीय खण्ड में भी चार में से दो प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। तृतीय खण्ड में सभी पांच प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का होगा।

आचार्य–द्वितीय वर्ष
चतुर्थ सेमेस्टर

प्रथमपत्रम् –श्रीमद्भगवद्गीता
(4–5 अध्यायात्मिका) – **80+20 अंका:**

द्वितीयपत्रम् – सांख्य सूत्रम्
(3–6 अध्यायपर्यन्तम्) – **80+20 अंका:**

तृतीयपत्रम् – पञ्चदशी (1–2 अध्यायात्मिका)
(विद्यारण्यस्वामिकृतम्) – **80+20 अंका:**

चतुर्थपत्रम् – प्रत्यभिज्ञाहृदयम्
(अभिनवगुप्त पादाचार्य कृतम्) – **80+20 अंका:**

पंचमपत्रम्–वाक्परीक्षा – **100 अंका:**

नोट : प्रत्येक प्रश्न पत्र में 20 अंक सत्रीय मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं।

अंक विभाजन :– प्रश्नपत्र में तीन खण्ड होंगे। प्रथम खण्ड में चार में से दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। द्वितीय खण्ड में भी चार में से दो प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। तृतीय खण्ड में सभी पांच प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का होगा।